

दो 'डिलीवरी एजेंट्स' की कहानी

रमेश और सुरेश, सामान की डिलीवरी का काम करते हैं। रमेश अपना डिलीवरी का काम पेट्रोल वाली गाड़ी से करता है, वही सुरेश पिछले 4 महीनो से सामान डिलीवरी के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ी का इस्तेमाल कर रहा है।

आइये जानते है इलेक्ट्रिक गाड़ी की कहानी उन्ही की जुबानी।

और रमेश तेरी डिलीवरी का काम कैसा चल रहा है ?



पूछ मत!
डीजल के बढ़ते दाम ने
कमर तोड़ रखी है।



सही कहा दोस्त! इस महंगाई में
गुजर-बसर करना मुश्किल सा हो गया
है। पर तुम इलेक्ट्रिक गाड़ी क्यों नहीं यूज़
कर रहे?



तुम बैटरी से चलने वाली गाड़ी की बात
बोल रहा हो ना ?





हाँ भई! मैंने भी 4 महीने पहले खरीदी है।
और उसी से डिलीवरी का काम कर रहा हूँ।



तो, कुछ फायदा हुआ?



भई! अनेको फायदे है।



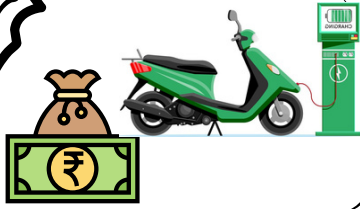
दिखने में
शानदार

चलाने में
आसान

रखरखाव
में कम खर्च

प्रति
किलोमीटर
चलने का खर्चा
1 रुपये से कम

प्रदूषण
से राहत



वाह यार! इतने सारे फायदे! सोच रहा हूँ मैं
भी एक इलेक्ट्रिक गाडी ले लूँ।



सोच मत! आज ही ले ले!



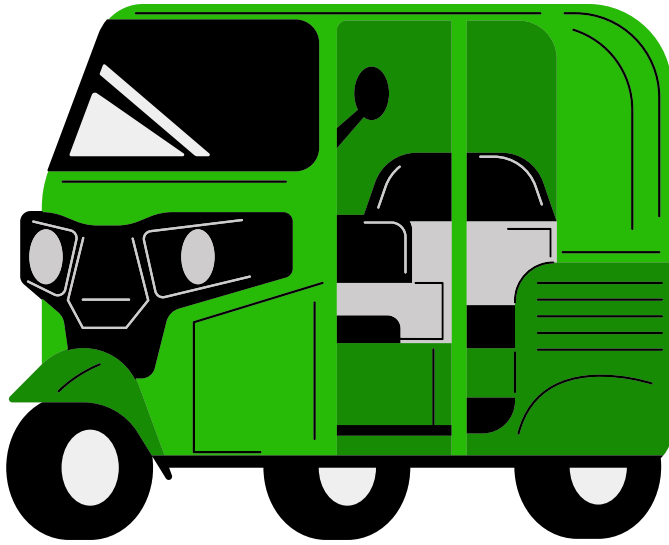
हाँ हाँ! मैं आज ही जाता हूँ और
इलेक्ट्रिक गाड़ी ले आता हूँ।



कुछ दिन बाद रमेश और सुरेश की मुलाकात !



सच में इलेक्ट्रिक गाड़ी ने बदल
दी मेरी जिंदगी।



ये तो थी रमेश की कहानी; आप कब अपना रहे हे
बिजली वाली गाड़ी ?

